Roll No. ....

बी.ए.-12 (कला में स्नातक) संस्कृत

प्रथम वर्ष, सत्र- 2015

बी.ए.एस.एल.–102

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 60**

नोट : यह प्रश्न–पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (2×15=30)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ हिन्दी व्याख्या कीजिए–

(क) स्वायत्तमेकान्त गुणं विधात्रा
विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतः सर्वविदां समाजे
विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।।

(ख) येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुविभार भूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।

(ग) जयति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः।
नास्ति येषां यशः काये जरामरणजं भयम्।।

(घ) दानं भोगो नाशः तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति।।

2. कथा साहित्य में हितोपदेश के महत्व पर प्रकाश डालिए।
3. भर्तृहरि के नीतिशतकम् की प्रेरणाएं सर्वेपियोगी हैं- सप्रमाण स्पष्ट कीजिए।
4. नीतिशतकम् के आधार पर मित्र एवं मित्रता की सप्रमाण विवेचना कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(4×5=20)

1. परोपकार के महत्व पर प्रकाश डालिए।
2. वृद्ध व्याघ्र-लुब्ध विप्रकथा का सारांश लिखिए।
3. मृग-श्रृगाल कथा का सारांश लिखते हुए, इससे प्राप्त शिक्षा पर टिप्पणी लिखिए।
4. प्रत्याहार क्या है? इनका स्वरूप बताइए एवं संख्या भी लिखिए।

5. ‘पठ्’ धातु के भविष्यत्काल के रूप लिखिए।

6. नीतकथाओं पर लघु निबन्ध लिखिए।

7. ‘राम’ शब्द के रूप सभी विभक्तियों एवं वचनों में लिखिए।

8. निम्न पर टिप्पणी लिखिए–

(क) सवर्ण संज्ञा

(ख) पद संज्ञा

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड ‘ग’ में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

सही उत्तर चुनिये :

1. श्रृंगारशतक के रचयिता हैं–

(अ) भवभूति (ब) भर्तृहरि

(स) बाणभट्ट (द) भास

2. ‘केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं’ श्लोक किस ग्रन्थ का है–

(अ) श्रृंगारशतक (ब) नीतिशतक

(स) हितोपदेश (द) रघुवंश

3. ‘धन’ (वित्त) की कितनी गति होती हैं–

(अ) तीन (ब) चार

(स) सात (द) पाँच

4. प्रत्याहार सूत्र कितने हैं–

(अ) बारह (ब) चौदह

(स) सोलह (द) तेरह

5. संस्कृत में लकार कितने होते हैं–

(अ) नौ (ब) दस

(स) बारह (द) आठ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'सत्य' या 'असत्य' लिखकर दीजिए–

6. 'आद्‌गुणः' सूत्र से गुण संज्ञा होती है। (सत्य/ असत्य)

7. करण कारक में तृतीया विभक्ति होती है। (सत्य/ असत्य)

8. वर्तमान काल के लिए 'लृट्' लकार का प्रयोग होता है। (सत्य/ असत्य)

9. हितोपदेश के लेखक नारायण पण्डित हैं। (सत्य/ असत्य)

10. 'विद्यालय' में गुण सन्धि है। (सत्य/ असत्य)